खुलासा

9 दिनों में बाघिन समेत 4 शावकों की मौत, फॉरेंसिक जांच में बड़ा खुलासा, बाघों की मौत का कारण बना जानलेवा संक्रमण, प्रबंधन में हड़कंप

कान्हा में केनाइन डिस्टेंपर वायरस का कोहराम

कान्हा/ मंडला, नवभारत। विश्व प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। कान्हा पार्क में पिछले 9 दिनों के भीतर हुई एक बाघिन और उसके चार शावकों की मौत का रहस्य अब सुलझ गया है। फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि इन मौतों की मुख्य वजह घातक केनाइन डिस्टेंपर वायरस का संक्रमण है।

बताया गया कि कान्हा पार्क प्रबंधन के लिए यह एक बड़ी क्षति है क्योंकि महज 9 दिनों के अंतराल में एक पूरी टाइगर फैमिली खत्म हो गई। पहले एक-एक कर चार शावकों की मौत हुई और उसके बाद उनकी मां (बाघिन) ने भी दम तोड़ दिया। शुरुआती दौर में मौत के कारणों को लेकर संशय बना हुआ था, लेकिन अब वैज्ञानिक जांच ने स्पष्ट कर दिया है कि यह वायरस ही बाघों की जान का दुश्मन बना है।

क्या है केनाइन डिस्टेंपर वायरस

विशेषज्ञों के अनुसार यह एक बेहद संक्रामक और जानलेवा वायरस है जो आमतौर पर कुत्तों के जरिए जंगली जानवरों में फैलता है। यह वायरस श्वसन तंत्र, जठरांत्र और नसों पर हमला करता है, जिससे जानवर बेहद कमजोर हो जाता है और अंतत: उसकी मृत्यु हो जाती है। कान्हा जैसे सुरक्षित माने जाने वाले नेशनल पार्क में इस वायरस की दस्तक ने सुरक्षा और मॉनिटरिंग पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अलर्ट पर पार्क प्रबंधन

बाघों की मौत के बाद अब पूरे पार्क में अलर्ट जारी कर दिया गया है। पार्क प्रबंधन अन्य बाघों और वन्यजीवों की निगरानी बढ़ा रहा है जिससे इस संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। अधिकारियों का कहना है कि फॉरेंसिक रिपोर्ट मिलने के बाद अब रोकथाम के लिए आगामी रणनीति तैयार की जा रही है।

बाघों की मौत पर फूटा गुस्सा, वन मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, उच्चस्तरीय जांच की मांग

मंडला। विश्व प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघों की निरंतर हो रही मौतों ने वन्यजीव प्रेमियों और स्थानीय निवासियों को झकझोर कर रख दिया है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए गुरुवार को कलेक्टर के माध्यम से प्रदेश के वन मंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बाघों की मौत के मामलों की उच्चस्तरीय जांच कराने और इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि टाइगर संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचाने जाने वाले कान्हा पार्क में पिछले एक महीने के भीतर एक वयस्क बाघ और चार शावकों समेत कुल 5 बाघों की मौत हो चुकी है। इसे वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में एक बेहद चिंताजनक और गंभीर स्थिति बताया गया है।

प्रबंधन और निगरानी पर गंभीर सवाल-

क्षेत्रीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि बाघों की सुरक्षा, समय पर उपचार और मॉनिटरिंग व्यवस्था में बड़ी खामियां हैं। ज्ञापन में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि पार्क प्रबंधन की लापरवाही और सुरक्षा व्यवस्था में ढील के कारण ऐसी घटनाएं बार-बार दोहराई जा रही हैं। पूर्व में भी ऐसी घटनाएं सामने आईं, लेकिन ठोस कदम नहीं उठाए जाने के कारण आज वन्यजीव संरक्षण व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।

पुनरावृत्ति रोकने की मांग-ज्ञापन सौंपने वाले जागरूक लोगों ने मांग की है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त एवं प्रभावी कदम उठाए जाएं। ज्ञापन सौंपने के दौरान क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे।

सुकरी मंगेला क्षेत्र में तेज तूफान का कहर, बिजली व्यवस्था ठप

- तीन छतें उड़ीं, लोग एक घंटे तक घरों में कैद, बारिश के भी बने आसार

नवभारत, सुकरी। सुकरी मंगला क्षेत्र में आए तेज तूफान ने भारी तबाही मचाई। तेज हवाओं के कारण तीन घरों की छतें उड़ गईं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। तूफान के चलते बिजली व्यवस्था पूरी तरह से बाधित हो गई, जिससे पूरे क्षेत्र में अंधेरा छा गया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि लोगों को सुरक्षा के मद्देनज़र अपने-अपने घरों में बंद होना पड़ा। करीब एक घंटे तक तेज हवाओं के कारण लोग बाहर नहीं निकल सके। इस दौरान बारिश के भी आसार बनते नजर आए, जिससे मौसम और भी अस्थिर हो गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द राहत और मरम्मत कार्य शुरू करने की मांग की है।

बोरिया में तेज अंधड़ पानी के चलते हुई बिजली गुल

नवभारत,बोरिया। दोपहर भीषण गर्मी की तपन के बीच अचानक मौसम बदला बादल छाए और शाम तक तेज आंधी चलने लगी। आंधी के साथ साथ तेज वर्षा भी हुई। जिससे जन जीवन प्रभावित हुआ। अचानक तेज हवाएं और बारिश से लोग यहां वहां छिपते हुए नजर आए। घरों के ऊपर सीखने डले कपड़े और अन्य सामग्रियां हवा के साथ उड़ गए। हवाएं इतनी तेज रही कि लंबे वृक्ष झुक गए वहीं दोपहर के बाद से बिजली गुल हुई जो रात्रि में समाचार लिखे जाने तक बंद रही। बोरिया में ब्लैक आउट सा नजारा रहा लोग अंधेरे में परेशान होते रहे।

गेहूं गीली होने से किसान परेशान- कुछ स्थानों पर खुली जगह रखे गेहूं के ढेर को बचाने में किसान परेशान हुए। अचानक मौसम के बदलने और बारिश होने से गेहूं गीली हो गई। जिन किसानों के पास ढकने के इंतजाम थे उन्होंने गीली होने से बचाने का प्रयास किया।

दोपहर बाद बादलों भरा मौसम, हल्की बारिश से मौसम में ठंडक घुली

नवभारत, बेलखाडू। सुबह से तेज चुभने वाली गर्मी में दोपहर तक सूर्य अपने रौद्र रूप धारण किए हुए थे। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी, बेचैनी से हाल बुरे रहे। दोपहर बाद मौसम ने करवट बदलना शुरू किया, देखते देखते सूर्य का प्रभाव कम करने बादलों ने अपना घेरा बनाना प्रारंभ किया। शाम 5 बजे के दरम्यान तेज हवाएं चलने लगी और हल्की बारिश भी प्रारंभ हो गई । जिससे एक ओर गांव में सड़के पानी से भीगी हुई दिखाई पड़ी तो दूसरी ओर खलिहानों एवं मंडी, गल्ला के पाला करने वाले लोगों ने फटाफट गेहूं को ढकना प्रारंभ किया। हालांकि बेलखाडू एवं आस पास के गांव में हल्की बारिश का दौर रहा। इसके अलावा बादल छाएं रहने से मौसम में हल्की ठंडक महसूस की गई। *बिजली की आंख मिचौली जारी*- एक ओर गर्मी अपने पूरे शबाब पर है,लोग दिन में कूलर, पंखे के सहारे बाहर की धूप, लू लपटों,तेज गर्मी से बचने घरों में दुबके हैं। यही स्थिति रात्रि की भी है। वहीं दूसरी ओर माढ़ोताल विद्युत मंडल अंतर्गत विद्युत सप्लाई बार बार बंद होना लोगो को खल रहा है। लोगों के जब आराम का समय होता है उसी समय लाइट बंद हो जाती है।

अपमान का जवाब आग से : गाडरवारा में भड़का जनाक्रोश

नवभारत/ नरसिंहपुर/ गाडरवारा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के एक बयान ने प्रदेश की राजनीति में उबाल ला दिया है। गुरुवार को गाडरवारा में कौरव समाज का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा, जहां सैकड़ों लोगों ने एकत्र होकर मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। छीपा तिराहा (राठी तिराहा) पर सुबह से ही भीड़ जुटने लगी थी। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर-तख्तियां लेकर बयान वापस लो, समाज का अपमान बंद करो और माफी मांगो जैसे नारे लगाए। कुछ समय के लिए क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बन गई।

क्या है पूरा विवाद

जानकारी के अनुसार, 23 अप्रैल 2026 को एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने द्रौपदी चीरहरण प्रसंग का उल्लेख करते हुए कौरवों की तुलना कांग्रेस से की थी। इस बयान को कौरव समाज ने अपनी अस्मिता पर सीधा आघात बताया है। सम्मान का सवाल, माफी जरूरी कौरव समाज के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट कहा कि यह केवल बयान नहीं, बल्कि सम्मान का मुद्दा है।

नेताओं के तीखे बयान

जिला पंचायत सदस्य मोना कौरव ने कहा, कांग्रेस का

कांग्रेस जिला अध्यक्ष नरसिंहपुर सुनीता पटेल ने बयान को अशोभनीय बताते हुए कहा, कौरव समाज का सहारा लेकर की गई टिप्पणी पूरी तरह अनुचित है। तो इतिहास है, बीजेपी का

वहीं कांग्रेस नेता सतीश सैनी ने कहा, हमारी कांग्रेस पार्टी कौरव समाज के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री द्वारा की गई टिप्पणी निंदनीय है।

प्रशासन अलर्ट, हालात नियंत्रित

उनकी मांग है कि मुख्यमंत्री सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगें, अन्यथा आंदोलन को प्रदेश स्तर तक बढ़ाया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। पुलिस, राजस्व अमला और फायर ब्रिगेड मौके पर तैनात रहे। स्थिति बिगड़ने की आशंका के बीच वाटर कैनन का उपयोग कर भीड़ को नियंत्रित किया गया। प्रशासन की तत्परता से कोई बड़ी घटना नहीं हुई। कौरव समाज ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द माफी नहीं मिली, तो प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसमें धरना, रैली और बड़े विरोध प्रदर्शन शामिल होंगे। इस पूरे विवाद ने मध्यप्रदेश की राजनीति को गरमा दिया है। विपक्ष को सरकार पर हमला बोलने का मौका मिल गया है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव इस विवाद पर क्या रुख अपनाते हैं।

जंगली हाथी ने युवती को पटका, मौत

मां के साथ सब्जी तोड़ने जा रही थी खेत

अनूपपुर, नवभारत, 30 अप्रैल। अनूपपुर जिले में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार सुबह कुसुमहाई गांव में एक दर्दनाक घटना में 23 वर्षीय युवती की जंगली हाथी के हमले में मौत हो गई। यह चार दिनों में दूसरी मौत है, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

घटना सुबह करीब 5.30 बजे की है, जब युवती जानकी कोल अपनी मां के साथ खेत में सब्जी तोड़ने जा रही थी। रास्ते में अचानक पीछे से आए एक जंगली हाथी ने उस पर हमला कर दिया। मां के चिल्लाने पर युवती जैसे ही पीछे मुड़ी, हाथी ने उसे सूंड से पकड़कर जमीन पर पटक दिया। गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उसकी हालत बिगड़ गई। जिसके बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए युवती को दोपहिया वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम अस्पताल पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

गरीब परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

मृतका का परिवार मजदूरी पर निर्भर है। पिता रामावतार कोल घटना के समय रिश्तेदारी में गए हुए थे और सूचना मिलते ही अस्पताल पहुंचे। परिवार में पांच बहनें और एक भाई है, जिनमें से अधिकांश बहनों की शादी हो चुकी है। जानकी और उसका भाई अविवाहित थे।

पहले भी ले चुका है जान

इससे पहले 26 अप्रैल को भोलगढ़ के जंगल में एक महिला की हाथी के हमले में मौत हो चुकी है, जबकि उसके परिवार के दो सदस्य घायल हुए थे। जानकारी के अनुसार यह वही एकल दंत वाला हाथी है, जो छत्तीसगढ़ सीमा से होते हुए अनूपपुर क्षेत्र में आया है और अब तक कई लोगों पर हमला कर चुका है।

वन विभाग अलर्ट, गश्त तेज

घटनाओं के बाद वन विभाग ने सेंदुरी, अमगवां, छुलहा, मौहरी और आसपास के गांवों में अलर्ट जारी कर दिया है। हाथी गश्ती दल लगातार निगरानी कर रहा है। मृतका के परिजनों को तत्काल 10 हजार रुपये की सहायता राशि दी गई है।

एक दिन पहले नाबालिग पर हमला

वन विभाग के अनुसार यही हाथी बुधवार रात सेंदुरी गांव में एक नाबालिग संजय चौधरी पर भी हमला कर चुका है। संजय अपने दोस्त के साथ बारात देखने जा रहा था, तभी आम के बगीचे के पास हाथी सामने आ गया। जान बचाने के लिए संजय झाड़ियों में छिप गया। हाथी ने उसे कुचलने की कोशिश की, लेकिन घनी झाड़ियों के कारण वह बच गया। बाद में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

मुआवजे और कार्रवाई की मांग

स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने और हाथी को जल्द सुरक्षित क्षेत्र में खदेड़ने की मांग की है। वन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2011 से 2026 तक अनूपपुर जिले में हाथियों के हमलों में 17 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं पिछले 120 दिनों में ही 4 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जिससे समस्या की गंभीरता साफझलकती है। प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अकेले जंगल या खेत की ओर न जाएं और सतर्क रहें। इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

मझौली : मुख्य मार्ग बना 'नर्क', 15 दिनों से सड़क पर बह रहा नाली का गंदा पानी

मझौली। स्वच्छ भारत अभियान के दावों के बीच नगर परिषद मझौली की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। शहर के सबसे व्यस्त जबलपुर मुख्य मार्ग पर पिछले 15 दिनों से नाली का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है, लेकिन प्रशासन कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है। आलम यह है कि राहगीरों और स्थानीय निवासियों का यहाँ से गुजरना दूभर हो गया है।

स्थानीय निवासी ऋषि साहू ने मौके पर स्थिति की गंभीरता बताते हुए कहा कि यह समस्या कोई नई नहीं है, लेकिन पिछले दो सप्ताह से स्थिति बद से बदतर हो गई है। मुख्य मार्ग होने के कारण यहाँ से चौबीसों घंटे वाहनों का आवागमन रहता है। सड़क पर जलभराव और गंदगी के कारण न केवल दुर्गंध फैल रही है, बल्कि दोपहिया वाहनों के फिसलने से दुर्घटनाओं का अंदेशा भी बना रहता है। स्वास्थ्य का संकट: गंदे पानी के जमाव से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा पैदा हो गया है। व्यापार पर असर: सड़क पर गंदगी होने के कारण आसपास के दुकानदारों का व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। दुर्घटना का भय: कीचड़ और फिसलन की वजह से आए दिन राहगीर चोटिल हो रहे हैं। नगर परिषद की इस कार्यप्रणाली से स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है। नागरिकों का कहना है कि जबलपुर मुख्य मार्ग जैसे महत्वपूर्ण रास्ते की यह दुर्दशा अधिकारियों की संवेदनहीनता को दर्शाती है।

इनका कहना है

यहाँ 15 दिनों से गंदा पानी बह रहा है, कोई सुनने वाला नहीं है। नगर परिषद की इस लापरवाही का खामियाजा हम स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ रहा है।'

ऋषि साहू, स्थानीय निवासी

थूकने से रोका तो मालवाहक चालक ने मारी टक्कर

-अनूपपुर, नवभारत, 30 अप्रैल। अनूपपुर जिले में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मालवाहक वाहन चालक ने महज थूकने से मना करने पर बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी।

घटना

एन्थ्रेक्स की आशंका ने बढ़ाई वन अमले की चिंता

बांधवगढ़ में मादा हाथी गायत्री की मौत से हड़कंप

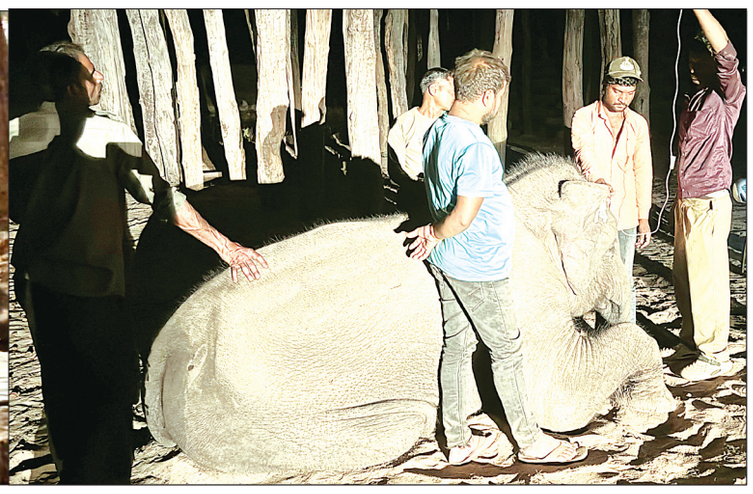

चिल्हारी, उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व से एक चिंताजनक खबर सामने आई है, जहां 28 अप्रैल को साढ़े चार वर्षीय मादा कैंप हाथी 'गायत्री' की अचानक मृत्यु हो गई। इस घटना ने वन महकमे के साथ-साथ वन्यजीव प्रेमियों में भी हलचल मचा दी है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मौत से पहले हाथी में दस्त (डायरिया) के लक्षण देखे गए थे, जो बाद में गंभीर रूप लेते हुए मल द्वार से रक्तस्राव तक पहुंच गए। हालात को देखते हुए जबलपुर से विशेष वन्यजीव चिकित्सकीय दल को तत्काल बुलाया गया। चिकित्सकों की प्रारंभिक रिपोर्ट में इस मौत के पीछे एन्थ्रेक्स जैसी खतरनाक बीमारी की आशंका जताई गई है। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए प्रबंधन ने बिना देर किए केंद्र सरकार के प्रोजेक्ट एलीफेंट प्रभाग द्वारा निर्धारित एसओपी लागू कर दी।

वैज्ञानिक तरीके से किया अंतिम संस्कार

बताया जाता है कि संक्रमण के खतरे को रोकने के लिए मादा हाथी के शव का वैज्ञानिक तरीके से सुरक्षित दहन किया गया, ताकि बीमारी के संभावित प्रसार पर रोक लगाई जा सके। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान क्षेत्र संचालक महेंद्र प्रताप सिंह,एनटीसीए के प्रतिनिधि डॉ. ज्ञानेंद्र प्रजापति, सरपंच सालेहा खान, डॉ. काजल जाधव सहित अन्य अधिकृत प्रतिनिधि मौजूद रहे। वहीं जिला चिकित्सा एवं पशु चिकित्सा अधिकारियों को अलर्ट करते हुए संबंधित लोगों के टीकाकरण और आवश्यक गाइडलाइन के पालन के निर्देश भी जारी किए गए हैं। वन विभाग द्वारा पूरे क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाते हुए हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए है। गायत्री' की असमय मौत ने जहां एक खालीपन छोड़ा है, वहीं एन्थ्रेक्स की आशंका ने सुरक्षा व्यवस्था को और ज्यादा सख्त कर दिया है।

39 वर्ष की सेवा पूर्ण कर प्रभारी प्रधानाध्यापक पाण्डेय हुए सेवानिवृत्त

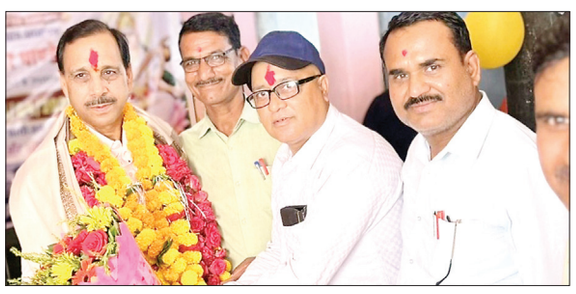

नवभारत,बेलखाडू । शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला करमेता से राजकुमार पाण्डेय सहायक शिक्षक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक ने 39 वर्ष 8 माह 29 दिन की शासकीय शिक्षा विभाग में सेवा पूर्ण कर आज 30 अप्रैल को सेवा निवृत्त हुए।

अवसर पर दीप्ति रिछारिया,रेखा राघव, राजेन्द्र उपाध्याय, ब्रिजबिहारी श्रीवास्तव, डीपी नामदेव, राजेश चौधरी, इन्द्र सिंह राजपूत, पंकज मणि झारिया, चंद्रभान गर्ग, संजय चौबे, रामबिहारी श्रीवास्तव सहित अन्य उपस्थिति रहे ।